

संपन्न हुआ।

इसी तरह हमारे अध्यापक ने झूठ-मूठ की लोकसभा का भी गठन किया जिसमें कक्षा के विद्यार्थियों को सांसद बनाया गया और दो पक्ष बनाए गए। एक पक्ष सरकार का जिसमें विद्यार्थियों को अलग-अलग मंत्री पद सौंपे गए व दूसरा था विपक्ष। एक लोकसभा अध्यक्ष भी नियुक्त किया गया।

हमें एक विषय दिया गया जिस पर सभी सदस्यों ने बहस की। इस तरह से विभिन्न कार्यकलापों द्वारा सामाजिक अध्ययन की तैयारी हुई। रोज शाम को तीनों विषयों से संबंधित प्रश्नों पर सामूहिक चर्चा से हर विषय की अच्छी तैयारी हो रही थी। ये तरीका हम सभी विद्यार्थियों

के लिए नया था मगर सभी को बहुत पसंद आया। सामाजिक अध्ययन जैसा बोर विषय अब रोचक व मनोरंजक लगने लगा था। साथ में सभी विद्यार्थियों की परीक्षा की अच्छी तैयारी हो गई थी, व परीक्षा से संबंधित परेशानियां दूर हो गई थी।

हमारे अध्यापक द्वारा अपनाई गई अध्यापन की शैली सचमुच अलग थी, जो छात्रों को अधिक भाती थी। अगर सभी विद्यालयों में अध्यापन की ऐसी ही शैली अपनाई जाए तो विद्यार्थी सामाजिक अध्ययन जैसे विषय को भी उत्साह से पढ़ेंगे। अध्यापन का प्रयोगात्मक तरीका शायद ज्यादा सार्थक व कारगर साबित होगा।

नीलम भोडि: नर्मदा महाविद्यालय, होशंगाबाद में बी. एस. सी. (कम्प्यूटर्स) की पढ़ाई कर रही हैं।

ज़रा सिर खुजलाईए

इस बार का सवाल:



अंग्रेज़ी के अक्षर E की तरह दिखने वाले इस आकृति को एक कागज़ पर उतारकर किनारों से काट लीजिए। अब इसे 4 सीधे कट लगाकर 7 ऐसे टुकड़े करें कि उन सबको जोड़कर आप एक वर्ग बना सकें। आपने किस तरह के टुकड़े काटे? अपने जवाब हमें लिख भेजिए।

ज़रा सिर खुजलाइए

पिछले अंक में आपसे सवाल पूछा गया था कि दस-दस सिक्कों की दस ढेरियां हैं। पहली ढेरी में सभी सिक्के एक-एक ग्राम के हैं, दूसरी में दो-दो ग्राम के इस तरह दसवीं ढेरी में सभी सिक्के दस-दस ग्राम के हैं। इनमें से एक ढेरी के सभी सिक्के नकली हैं और उन सब का वजन जितना होना चाहिए उससे 0.1 ग्राम कम या ज्यादा है। आपके पास एक तराजू है जिसकी मदद से आपको कम-से-कम बार तौलते हुए नकली सिक्कों वाली ढेरी का पता लगाना था।

इस सवाल के लिए काफी जवाब मिले। कुछ लोगों ने पांच बार, कुछ ने तीन बार तौलकर नकली ढेरी का पता लगाया। लेकिन डॉ. प्रदीप दीक्षित, होशंगाबाद, ने तो एक बार तौलकर ही नकली ढेरी का पता लगा लिया। देखते हैं यह तरीका क्या है:

सबसे पहले सिक्कों की दसों ढेरियों को बढ़ते क्रम में एक से दस तक क्रम दे दिए। यानी एक ग्राम के सिक्कों की ढेरी को एक नंबर तो दस ग्राम के सिक्कों की ढेरी को दस नंबर।

अब पहली ढेरी से एक सिक्का, दूसरी से दो सिक्के, तीसरी से तीन सिक्के..... इस तरह बढ़ते हुए दसवीं ढेरी से दस सिक्के उठा लेते हैं।

ढेरी नंबर:	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सिक्के लिए	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
सिक्कों का वजन (ग्राम में)	1	4	9	16	25	36	49	64	81	100

निकाले गए कुल 55 सिक्कों का वजन 385 ग्राम होना चाहिए।

अब इन 55 सिक्कों को तराजू में रखकर तौलते हैं। मान लीजिए इन सिक्कों का वजन 385 ग्राम से 0.1 ग्राम कम या ज्यादा आए तो पहली ढेरी के सिक्के नकली हैं, यदि वजन में 0.2 ग्राम की घट-बढ़ होती है तो दूसरी ढेरी के सिक्के नकली हैं, 0.3 ग्राम की घट-बढ़ होने पर ढेरी नंबर तीन के सिक्के नकली हैं इस तरह यदि वजन में 1.0 ग्राम की घट-बढ़ हो तो दसवीं ढेरी में सिक्के नकली हैं।

है न आसान हल! लगभग ऐसा ही हल कैलाश अग्रवाल, शुजालपुर, ने भी भेजा लेकिन वजन संबंधी थोड़ी त्रुटि के साथ।